उग्रवाद और विकास, आंतरिक सुरक्षा पर डिबेट Pdf

वर्तमान में जिस तरह परीक्षाओं का पैटर्न बदल रहा है उसके देखते हुए यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि मुद्दों को कैसे समझा जाये, इस लेख में उग्रवाद तथा विकास को समझेंगे इसके साथ-साथ यह भी समझने की कोशिस करेंगे कि उग्रवाद क्या है? उग्रवाद तथा विकास के बीच क्या संबंध है और इसके क्या उपाय हो सकते है |

उग्रवाद क्या है:-

यह दो शब्दों से बना हुआ है, उग्र+वाद, यहां उग्र का मतलब विरोधी है और वाद का मतलब विचार से है अर्थात विरोधी विचार ही उग्रवाद कहलाता है इसको निम्नलिखित शब्दों से वर्णित किया गया है |

1- व्यवस्था विरोधी
2- सत्ता विरोधी
3- राज्य विरोधी
4- प्रशासन विरोधी

उग्रवाद यह मानता है कि उनकी सापेशिक वंचना (Deprivation) हुयी है और उनका शोषण हो रह है, उनके साथ अत्याचार होता आया है, तथा वह भेदभाव का शिकार हो रहे है इसी विचारधारा में ऐसे लोग मानते है कि उनकी मुक्ति के लिए सत्ता परिवर्तन की लड़ाई में विश्वास करते है इसी लड़ाई को वर्तमान में दो भागों में बांटा गया है |

1- बैचारिक लड़ाई (उग्रवादी व गाँधीवादी आंदोलन)
2- व्यवहारिक लड़ाई (हिंसा शामिल- आतंकबाद हिंसा को जनता का समर्थन – अलगावबाद)

उग्रवाद एक केन्द्रीय विचार है अनके रूप है जिनमे से एक है अलगावबाद “हम व्यवस्था से नाराज हैं और सत्ता परिवर्तन की लड़ाई हिंसा से लड़ना चाहते है और इनमें हमे जनता का समर्थन प्राप्त है”|

भारत में अनेक राज्य इस विचार धारा से प्रभावित है, कश्मीर, उत्तर पूर्वी राज्य , तथा पंजाब का कुछ हिस्सा जो खालिस्तान का समर्थन करते है |

विकास क्या है:-

यह एक बहुआयामी विचार है जनता को आर्थिक संपन्नता के साथ- साथ गुणवत्तापूर्ण जीवन, लोकतान्त्रिक अधिकार, सांस्कृतिक अधिकार, मनोंवैज्ञानिक अधिकार इत्यादि देने से जुड़ा है इसी बहुआयामी विचारधारा को विकास कहते है| उग्रवाद तथा विकास के बीच संबंध इस प्रकार है

1- स्वतंत्र द्रष्टिकोण
2- निर्भर द्रष्टिकोण

1-स्वतंत्र द्रष्टिकोण:-

उग्रवाद तथा विकास दोनों पृथक अवधारणाएं है इन दोनों में अनिवार्य संबंध नहीं है अर्थात एक दूसरेसे जुड़ सकते है और नहीं भी |

a- अफ्रीकाई देश अल्पविकसित है परंतु उग्रवाद नहीं
b- भूटान और नेपाल भी अल्पविकसित है परंतु उग्रवाद नहीं
c- अरब देशों की संपन्नता के बाबजूद उग्रवाद आ गई
d- पंजाब में हरित क्रांति के बाद उग्रवाद आया

2-निर्भर द्रष्टिकोण :-

a- अल्पविकास और उग्रवाद एक दूसरे पर निर्भर अवधारणाएं है- जिन क्षेत्रों में उग्रवाद है वहीं अल्पविकास दिखाई देता है
b- सरकार उग्रवाद को रोकने पर काम करेगी जिससे विकास अवरुद्ध होगा तथा investment नहीं आएगा
c- बच्चे अशिक्षित रहेंगे तथा वेरोजगारी बड़ेगी और लोगों में असंतोष फैलेगा

उग्रवाद समाधान के उपाय :-

इसकेसमाधान के दो उपाय है

1- कठोर नीति
2- उदार नीति

1-कठोर नीति:-

a- Zero Tolerance (अपराधियों को त्वरित व कठोर दंड)
b- आक्रमण रणनीति (सैन्य अभियान, पुलिस अभियान, तैनाती बढ़ायें)
c- सुरक्षात्मक नीति (सीमाबंदी, तारबंदी, शास्त्रीकारण, सैन्य आधुनिकीकरण)
d- Operation All out : कश्मीर में आतंकवाद, operation प्रहार नक्सलवाद)

2-उदार नीति :-

a- प्रभावित राज्यों को devlopment पैकेज
b- विशेष राज्यों का दर्जा
c- civic Action plan (सेना/ पुलिस लोगों की मदद करके उनका दिल जीते, घरेलू गुप्तचर, उग्रवादि संगठनों के साथ समझौते, local election, प्रभावी आत्मसमर्पण की राजनीति)